भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2134 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026/9 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है

तमिलनाडु में तटीय और अंतर्देशीय जल परिवहन

†2134. डॉ. रानी श्रीकुमार :
श्री सी. एन. अन्नादुरई :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में तटीय यात्री परिवहन, फेरी सेवाओं और अंतर्देशीय जल परिवहन के विस्तार की संभावनाओं का कोई मूल्यांकन किया है;

(ख) यदि हां, तो स्थानों की पहचान करने के लिए किए गए अध्ययन तथा उक्त राज्य में तटीय एवं अंतर्देशीय जल के माध्यम से संपर्क में सुधार के लिए की गई सिफारिशों के साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का उक्त राज्य में नए तटीय यात्री फेरी मार्गों, आधुनिक फेरी टर्मिनलों और बहु-मोडल जल परिवहन अवसंरचना को विकसित करने का विचार है और यदि हां, तो जिला-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने तमिलनाडु में ऐसी परियोजनाओं के माध्यम से सुरक्षित, किफायती तथा पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ जल परिवहन, पर्यटन और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): भारत सरकार द्वारा ऐसा कोई अध्ययन नहीं किया गया है।

(ग): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) की सागरमाला योजना के तहत, तमिलनाडु राज्य में 42 करोड़ रुपये लागत की निम्नलिखित 4 परियोजनाएं शुरू की गई हैं:

(i) नागपट्टिनम (भारत) से कंकसंथुराई (श्रीलंका) तक यात्री फेरी सेवा के लिए नागपट्टिणम पत्तन अवसंरचना का उन्नयन

(ii) अग्नि तीर्थम पर पर्यटक जलयानों के लिए बर्थिंग सुविधाओं का निर्माण

(iii) पंबन अप्रोचेज, मंडपम में पर्यटन जलयानों के लिए अतिरिक्त बर्थिंग सुविधाओं का निर्माण

(iv) कन्याकुमारी में यात्री जेट्टी का विकास

(घ): तमिलनाडु में पांच राष्ट्रीय जलमार्गों के लिए नियोजित कार्गो / नदी क्रूज़ पर्यटन के विकास का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

अनुबंध

दिनांक 31/07/2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2134 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

तमिलनाडु में 05 राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.) के लिए नियोजित कार्गो / नदी क्रूज़ पर्यटन के विकास का विवरण:

(क) बर्किंघम नहर (रा.ज.-4 की घटक): कार्गो/नदी क्रूज़ पर्यटन सर्किटों के लिए जेट्टी इस प्रकार हैं:

i. महाबलीपुरम से एडियूर सेतु
ii. मरीना बीच के पास बर्किंघम नहर का कूवम नदी हिस्सा
iii. पुलीकट झील
iv. कार्गो आवाजाही के लिए एन्नोर पत्तन से ईटीपीएस

(ख) भवानी नदी (रा.ज. -20): भवानी - संगमेश्वर मंदिर में नदी क्रूज पर्यटन के लिए जेट्टी।

(ग) कावेरी-कोल्लीडम नदी (रा.ज.-55): चिदंबरम के पास नदी क्रूज पर्यटन के लिए जेट्टी।

(घ) पझ्यार नदी (रा.ज.-77): नदी क्रूज पर्यटन आवाजाही के लिए कन्याकुमारी के पास जेट्टी।

(घ) पोन्नियार नदी (रा.ज.-80): नदी क्रूज आवाजाही के लिए जेट्टी।

*****